SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Assistant Conservator of Forests — ACF (Rajasthan)

सहायक वन संरक्षक राजस्थान वन सेवा का प्रवेश-स्तर का राजपत्रित पद है — वन विभाग की अधिकारी-श्रेणी की पहली सीढ़ी। रेंजर एक रेंज सँभालता है; सहायक वन संरक्षक उससे ऊपर, कई रेंजों वाले उप-प्रभाग के स्तर पर काम करता है। ज़िम्मेदारी में...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-acf

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

सहायक वन संरक्षक राजस्थान वन सेवा का प्रवेश-स्तर का राजपत्रित पद है — वन विभाग की अधिकारी-श्रेणी की पहली सीढ़ी। रेंजर एक रेंज सँभालता है; सहायक वन संरक्षक उससे ऊपर, कई रेंजों वाले उप-प्रभाग के स्तर पर काम करता है। ज़िम्मेदारी में वन प्रबंधन की योजना बनाना एवं उसका क्रियान्वयन, वन्यजीव संरक्षण एवं संरक्षित क्षेत्रों का प्रबंधन, वृक्षारोपण एवं वन-सुधार कार्यक्रम, वन अपराधों पर कार्यवाही, बजट एवं कार्ययोजना, तथा रेंजरों एवं उनके अधीनस्थ अमले का पर्यवेक्षण आता है। राजस्थान की दृष्टि से यह पद विशेष है, क्योंकि यहाँ मरुस्थल का विस्तार, रणथंभौर एवं सरिस्का जैसे बाघ क्षेत्र, तथा वन भूमि पर लगातार बढ़ता दबाव — तीनों एक साथ हैं। एक बात आरंभ में ही जान लेनी चाहिए: इस पद की परीक्षा प्रायः वन क्षेत्रीय अधिकारी की परीक्षा के साथ संयुक्त रूप से होती है, इसलिए एक ही तैयारी से दोनों पदों के लिए प्रतिस्पर्धा की जा सकती है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन, कंप्यूटर एप्लीकेशन/साइंस, पर्यावरण विज्ञान, उद्यानिकी, भूविज्ञान, गणित, भौतिकी, सांख्यिकी अथवा प्राणी विज्ञान में से किसी एक विषय सहित स्नातक; अथवा कृषि, वानिकी अथवा अभियांत्रिकी में स्नातक (सेवा नियम 1962, अनुसूची-I)
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: वन
आयु-सीमा	18 से 40 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को (सेवा नियम 1962) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें। यह राजपत्रित अधिकारी का पद है
माँग	50% सीधी भर्ती, 50% पदोन्नति से (रेंजर ग्रेड-I से)

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- वन, वन्यजीव एवं पारिस्थितिकी में गहरी रुचि
- नेतृत्व, योजना एवं प्रशासनिक ज़िम्मेदारी
- क्षेत्र में रहना एवं शारीरिक रूप से सक्रिय जीवन

क्षमताएँ

- उच्च शारीरिक सहनशक्ति — नियमों में 25 किमी की पैदल परीक्षा है
- टकराव की स्थिति में संयम एवं दृढ़ता
- दीर्घकालिक योजना बनाने की क्षमता, क्योंकि वन का चक्र दशकों का होता है

ज़रूरी कौशल

- वन कार्ययोजना एवं वन प्रबंधन योजना बनाना
- वन अधिनियम एवं वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही
- सुदूर संवेदन, जी.आई.एस. एवं वन सर्वेक्षण
- वन-ग्रामों, पंचायतों एवं अन्य विभागों से समन्वय
- वन्यजीव प्रबंधन, गणना एवं संरक्षित क्षेत्रों का संचालन
- बजट, निविदा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रमों का प्रबंधन
- रेंजर एवं अधीनस्थ अमले का पर्यवेक्षण एवं प्रशिक्षण

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान से उत्तीर्ण करें।
2. स्नातक करें, और विषय सोच-समझकर चुनें। नियम में दो रास्ते हैं: स्नातक में इनमें से कम से कम एक विषय हो — पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन, कंप्यूटर एप्लीकेशन/साइंस, पर्यावरण विज्ञान, उद्यानिकी, भूविज्ञान, गणित, भौतिकी, सांख्यिकी अथवा प्राणी विज्ञान; अथवा कृषि, वानिकी या अभियांत्रिकी में स्नातक की डिग्री हो। कला अथवा वाणिज्य की डिग्री से यह पद नहीं मिलता। ध्यान दें कि यही विषय-सूची वन क्षेत्रीय अधिकारी के लिए भी है — अर्थात् एक ही स्नातक डिग्री दोनों पदों के लिए पात्रता देती है।
3. शारीरिक तैयारी को गंभीरता से लें, और इसे सबसे पहले शुरू करें। नियम 13 में शारीरिक मानक हैं — पुरुष अभ्यर्थी: ऊँचाई 163 सेमी, सीना 84 सेमी सामान्य, 5 सेमी फुलाव; महिला अभ्यर्थी: ऊँचाई 150 सेमी, सीना 79 सेमी सामान्य, 5 सेमी फुलाव।
4. और उसी नियम में वह शर्त है जो इस पद को अधिकांश सरकारी पदों से अलग करती है: पैदल चलने की परीक्षा। पुरुष अभ्यर्थी को 25 किलोमीटर तथा महिला अभ्यर्थी को 16 किलोमीटर की दूरी, दोनों को 4 घंटे के भीतर, पैदल तय करनी होती है। यह परीक्षा आयोग अथवा राज्य सरकार द्वारा आयोजित की जाती है। इसे कुछ सप्ताह की तैयारी से पूरा नहीं किया जा सकता — इसके लिए महीनों की नियमित पैदल एवं दौड़ की तैयारी चाहिए, और वह तैयारी लिखित परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ चलनी चाहिए, उसके बाद नहीं।

5. आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, तथा अभ्यर्थी को अच्छे मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य का होना आवश्यक है; चयन पर अधिसूचित चिकित्सा प्राधिकारी से प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होता है।

6. आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें और परीक्षा में सम्मिलित हों।

प्रमुख परीक्षाएँ

- परीक्षा राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा, नियमों की अनुसूची-II में निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाती है (नियम 18)।
- शारीरिक परीक्षा को लिखित परीक्षा जितना ही गंभीरता से लें। 25 किलोमीटर (महिलाओं के लिए 16 किलोमीटर) चार घंटे में पैदल पूरा करना एक वास्तविक कसौटी है, और यह उन थोड़ी सरकारी भर्तियों में है जहाँ सहनशक्ति की इस स्तर पर परीक्षा होती है। नियमों में यह भी दर्ज है कि यह परीक्षा आयोग अथवा राज्य सरकार द्वारा आयोजित की जाएगी।
- भर्ती का ढाँचा: 50% पद सीधी भर्ती से और 50% पदोन्नति से भरे जाते हैं, और पदोन्नति रेंजर ग्रेड-I से होती है। अर्थात् वन विभाग में इस अधिकारी-पद तक दो रास्ते हैं — सीधी भर्ती, अथवा वन क्षेत्रीय अधिकारी के रूप में सेवा करते हुए पदोन्नति। यही कारण है कि इस पृष्ठ को वन क्षेत्रीय अधिकारी के पृष्ठ के साथ पढ़ना उपयोगी है।
- नियम 18 का दूसरा उपनियम इस पद की तैयारी की योजना बदल देता है, इसलिए उसे ध्यान से पढ़ें: आयोग इस सेवा तथा राजस्थान वन अधीनस्थ सेवा — अर्थात् वन क्षेत्रीय अधिकारी — के लिए संयुक्त परीक्षा आयोजित कर सकता है, और दोनों सेवाओं के लिए चयनित अभ्यर्थियों की अलग-अलग सूचियाँ तैयार करता है। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि एक ही परीक्षा से दो पदों के लिए प्रतिस्पर्धा हो सकती है, जिनमें एक राजपत्रित अधिकारी का पद है और दूसरा अधीनस्थ सेवा का। आवेदन करते समय विज्ञप्ति में यह अवश्य देखें कि उस चक्र में परीक्षा संयुक्त है या नहीं, और वरीयता किस क्रम में देनी है।
- शारीरिक मानकों का वर्तमान पाठ पुराने पाठ से भिन्न है और यह अंतर जानने योग्य है। नियमों के फुटनोट में उद्धृत पुराने नियम 13 में केवल 25 किमी की दूरी थी और महिला अभ्यर्थियों के लिए अलग मानक नहीं थे; वर्तमान नियम में महिला अभ्यर्थियों के लिए ऊँचाई 150 सेमी, सीना 79 सेमी तथा 16 किमी की दूरी अलग से निर्धारित है। पुराने पाठ को आज की शर्त समझना भूल होगी।
- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं। यह आयोग का राजपत्रित पद है।

- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government colleges and state universities — B.Sc. with botany, zoology, chemistry, geology, mathematics or environmental science — राजस्थान के सभी संभाग (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- Rajasthan agricultural universities — B.Sc. Agriculture, Forestry and Horticulture — बीकानेर, जोबनेर, उदयपुर, कोटा (https://raubikaner.org/)
- Forest Research Institute, Dehradun — the national forestry institution — देहरादून, उत्तराखंड (https://fri.icfre.gov.in/)
- District stadiums, school grounds and open roads — where the 25 km walk is actually prepared for, at no cost — हर ज़िले एवं ब्लॉक में

ऑनलाइन

- वन विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://forest.rajasthan.gov.in/)
- UPSC Indian Forest Service — the parallel all-India route from the same degree — संघ लोक सेवा आयोग (https://upsc.gov.in/)
- Ministry of Environment, Forest and Climate Change — भारत सरकार (https://moef.gov.in/)

- India Code — the Indian Forest Act and the Wild Life (Protection) Act — भारत सरकार (https://www.indiacode.nic.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

इस पद तक पहुँचने का खर्च कम है और यह इसकी सबसे उल्लेखनीय बात है। स्नातक की पढ़ाई राजकीय महाविद्यालयों एवं कृषि विश्वविद्यालयों में सस्ती है, और आवश्यक विषय सामान्य बी.एससी. के ही हैं — किसी विशेष महँगे पाठ्यक्रम की आवश्यकता नहीं। शारीरिक तैयारी, जो इस पद की सबसे निर्णायक तैयारी है, पूरी तरह निःशुल्क है: 25 किलोमीटर पैदल चलने का अभ्यास गाँव के रास्तों पर होता है और उस पर एक रुपया खर्च नहीं आता। यही इस भर्ती की सबसे बड़ी समानता का बिंदु भी है — जिस अभ्यर्थी के पास कोचिंग का साधन नहीं, वह भी शारीरिक कसौटी पर बराबरी से खड़ा हो सकता है, और वह कसौटी यहाँ हल्की नहीं है। परीक्षा शुल्क कुछ सौ रुपये है, आरक्षित वर्गों को छूट मिलती है। एक व्यावहारिक बात यह भी है कि इसी योग्यता एवं तैयारी से संघ लोक सेवा आयोग की भारतीय वन सेवा परीक्षा भी दी जा सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

वन प्रभागों के उप-प्रभाग एवं वन कार्यालय, संरक्षित क्षेत्र एवं बाघ परियोजना क्षेत्र, वृक्षारोपण एवं नर्सरी क्षेत्र, तथा वन से लगे गाँव। नियुक्ति प्रायः दूरस्थ क्षेत्रों में होती है और क्षेत्र-भ्रमण काम का नियमित भाग है।

कार्य-संस्कृति

यह वर्दीधारी अधिकारी का पद है जिसमें तकनीकी ज्ञान, प्रशासनिक ज़िम्मेदारी एवं शारीरिक श्रम तीनों एक साथ चलते हैं। दिन का बड़ा भाग बाहर बीतता है — निरीक्षण, गश्त एवं क्षेत्र-भ्रमण में — और उसके साथ कार्ययोजना, बजट एवं अधीनस्थ अमले का पर्यवेक्षण भी करना होता है। इस पेशे की एक विशेषता समय-मान की है: वन का चक्र दशकों का होता है, इसलिए जो वृक्षारोपण अथवा संरक्षण-कार्य आज किया जाता है उसका पूरा परिणाम अगली पीढ़ी देखती है — यह उन थोड़े कामों में है जहाँ सोचने का पैमाना अपने कार्यकाल से बड़ा रखना पड़ता है। दूसरी ओर टकराव भी वास्तविक है: वन भूमि पर अतिक्रमण, अवैध कटाई, खनन एवं शिकार से जुड़े हित प्रायः शक्तिशाली होते हैं, और उनके विरुद्ध कार्यवाही इसी पद के अधिकार एवं उत्तरदायित्व में आती है। जो व्यक्ति प्रकृति में रहना चाहता है और उसके लिए शारीरिक कठिनाई एवं दूरस्थ नियुक्ति स्वीकार है, उसके लिए राज्य सरकार में इससे उपयुक्त पद कम हैं।

कौन नौकरी देता है

- वन विभाग, राजस्थान — वन प्रभाग एवं उप-प्रभाग
- बाघ परियोजना, राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य
- वन्यजीव विंग एवं कार्ययोजना इकाइयाँ
- सामाजिक वानिकी एवं वन विकास परियोजनाएँ

माँग (2026)

राजस्थान वन सेवा का ढाँचा स्थायी है और सहायक वन संरक्षक उसका प्रवेश-स्तर का पद है, इसलिए इसकी आवश्यकता बनी रहती है; जलवायु परिवर्तन, वृक्षारोपण के लक्ष्य एवं वन्यजीव संरक्षण पर बढ़ते ध्यान ने इस काम को और महत्त्वपूर्ण बनाया है। यह संवर्ग छोटा है — राज्य सेवा का प्रवेश-पद होने के कारण पदों की संख्या रेंजर की तुलना में कम रहती है — और 50% पद पदोन्नति से भरते हैं, इसलिए सीधी भर्ती की रिक्तियाँ और भी सीमित हो जाती हैं। तैयारी की योजना बनाते समय दो बातें व्यावहारिक रूप से उपयोगी हैं। पहली, नियम 18(2) के कारण यह परीक्षा प्रायः वन क्षेत्रीय अधिकारी के साथ संयुक्त होती है, इसलिए एक ही तैयारी दो पदों के लिए काम आती है और चयन की संभावना उसी अनुपात में बढ़ती है। दूसरी, वही स्नातक योग्यता एवं वही तैयारी संघ लोक सेवा आयोग की भारतीय वन सेवा परीक्षा में भी चलती है, जो अखिल भारतीय सेवा का रास्ता है। अर्थात् इस दिशा में की गई तैयारी तीन अलग परीक्षाओं में उपयोगी रहती है। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सहायक वन संरक्षक — राज्य वन सेवा का प्रवेश-स्तर का राजपत्रित पद; 50% सीधी भर्ती, 50% रेंजर ग्रेड-I से पदोन्नति
2. उप वन संरक्षक — सहायक वन संरक्षक के पद पर 5 वर्ष के अनुभव पर, 100% पदोन्नति से
3. उप वन संरक्षक (चयन वेतनमान) — पदोन्नति से
4. उप वन संरक्षक (सुपर टाइम स्केल) — चयन वेतनमान पर 3 वर्ष तथा कुल 18 वर्ष की सेवा पर
5. उप वन संरक्षक (उच्च सुपर टाइम स्केल) — कुल 25 वर्ष की सेवा पूरी करने पर

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार (राजपत्रित पद)
मध्य स्तर	₹70,000 – ₹95,000 (भत्तों सहित, उप वन संरक्षक स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹1,10,000 से अधिक (भत्तों सहित, चयन एवं सुपर टाइम स्केल पर)

1962 के सेवा नियमों में पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। यह राजपत्रित अधिकारी का पद है, इसलिए इसका वेतनमान वन क्षेत्रीय अधिकारी सहित अधीनस्थ सेवा के पदों से ऊपर रहता है। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं। वेतन से अलग दो बातें व्यावहारिक रूप से महत्त्वपूर्ण हैं: इस पद पर प्रायः विभागीय आवास मिलता है, और दूरस्थ नियुक्ति के कारण रहने का खर्च शहरों की तुलना में कम रहता है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- राजपत्रित अधिकारी का पद, वन विभाग की अधिकारी-श्रेणी की पहली सीढ़ी
- एक ही तैयारी वन क्षेत्रीय अधिकारी एवं भारतीय वन सेवा दोनों में काम आती है
- शारीरिक तैयारी निःशुल्क है — कोचिंग के साधन के बिना भी इस कसौटी पर बराबरी
- काम का परिणाम दशकों तक दिखता है
- प्रायः विभागीय आवास एवं क्षेत्र-सुविधाएँ मिलती हैं

चुनौतियाँ

- 25 किमी (महिलाओं हेतु 16 किमी) की पैदल परीक्षा — इसकी तैयारी महीनों की है
- संवर्ग छोटा है और 50% पद पदोन्नति से भरते हैं
- नियुक्ति दूरस्थ क्षेत्रों में एवं घंटे अनियमित
- अतिक्रमण, अवैध कटाई एवं खनन के हितों से टकराव
- कला अथवा वाणिज्य की डिग्री से यह पद नहीं मिलता

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान वन सेवा नियम, 1962 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/202510300130350269784RFS1962_merged.pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. वन विभाग, राजस्थान — https://forest.rajasthan.gov.in/

4. संघ लोक सेवा आयोग — भारतीय वन सेवा परीक्षा — https://upsc.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in